स्वर्णिम 100 वर्षों का स्मरणोत्सव–प्रेरणामयी यात्रा 1

डी0ई0आई0 टेक्नीकल कॉलेज ... विशेष व्याख्यान का आयोजन 3

योग दिवस 4

हिन्दी नाट्य महोत्सव 2016 4

इंग्लिश ड्रामा फेस्टिवल 2016 4

युवा संसद (14 सितम्बर 2016) 5

संकाय समाचार 5

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

संयुक्तांक फरवरी–दिसम्बर 2016, अंक आठ

स्वर्णिम 100 वर्षों का स्मरणोत्सव–प्रेरणामयी यात्रा

गत वर्ष दयालबाग़ शिक्षा के 100 वर्षों के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विभिन्न सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, वाणिज्यिक गतिविधियों, एवं उपलब्धियों का प्रभावपूर्ण प्रस्तुतिकरण किया गया। आर.ई.आई. इण्टरमीडिएट कॉलेज, पी.वी. गर्ल्स इण्टरमीडिएट कॉलेज सहित डी. ई.आई. के विभिन्न संकायों ने अपनी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को प्रस्तुत करने के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से महोत्सव को जीवंतता प्रदान की। प्रस्तुत है विभिन्न संकायों की उत्सव आख्या–

- **शिक्षा के 100 वर्ष के उपलक्ष्य में रोमांचकारी उपकरणों की प्रस्तुति का समारोह**

दयालबाग़ में शिक्षा के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में टेक्निकल कॉलेज द्वारा 26, 27 व 28 फरवरी को समारोह मनाया गया। समारोह में मॉडल एग्जीविशन, कवि सम्मेलन, टेक्निकल कॉलेज के इतिहास की प्रदर्शनी, खेलकूद प्रतियोगिताएँ व एन.सी. सी. परेड कॉम्पिटीशन मुख्य रहे।

26 फरवरी प्रातः 9:00 बजे कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. बी.बी. राव और अन्य शिक्षकगण व विद्यार्थियों द्वारा समारोह का शुभ आरम्भ विश्वविद्यालय गान व प्रार्थना से किया गया, तत्पश्चात् सभी ने विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये मॉडलों की प्रदर्शनी देखी। श्री जी.पी. मिश्रा, डॉ. मयंक कुमार अग्रवाल के सान्निध्य में विद्यार्थियों ने 108 इंजीनियरिंग मॉडल बनाये जिन्हें टेक्निकल कॉलेज के टेक्नोलॉजी पार्क में प्रदर्शित किया गया। मोबाइल कन्ट्रोल कार, मल्टी स्टेज कार पार्किंग, शीट मेटल कटर, पेडल ऑपरेटेड वॉशिंग मशीन, जेट इंजन व सौर ऊर्जा का प्रभावी प्रयोग आदि मॉडल मुख्य रहे। प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों द्वारा कॉन्क्रीट के भिन्न–भिन्न प्रकार के व प्लास्टिक के मॉडल भी प्रस्तुत किये गये। सभी विद्यार्थियों का प्रयास सराहनीय रहा।

समारोह का दूसरा मुख्य चरण था टेक्निकल कॉलेज के इतिहास की प्रदर्शनी। डॉ. राधाकृष्ण के

सान्निध्य में एक वृहद् प्रदर्शनी कॉलेज प्रांगण में लगायी गयी। जिसमें टेक्निकल स्कूल से वर्तमान टेक्निकल कॉलेज बनने तक के इतिहास को भली भाँति प्रस्तुत किया गया। वर्ष 1927 में हुज़ूर साहब जी महाराज द्वारा स्थापित किये गये स्कूल का इतिहास जानना व फोटोग्राफ देखना, सभी आगन्तुक अतिथियों के लिये अति रोमांचक रहा, प्रदर्शनी में कॉलेज द्वारा चलाये जा रहे भिन्न पाठ्यक्रमों का भी वर्णन किया गया। लेदर वर्किंग स्कूल व सी.ए.आर.टी. में चल रहे भिन्न–भिन्न क्रियाकलापों की जानकारी भी सभी आगन्तुकों के लिये आकर्षण का केन्द्र रही।

समारोह के तीसरे चरण में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगितायें व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें रस्साकसी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल मैच आकर्षण का केन्द्र रहे। सभी खेलकूद कार्यक्रमों का आयोजन श्री रामसिंह द्वारा कराया गया।

टेक्निकल कॉलेज के सभागार में डॉ. रंजीत कुमार द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शृंखला आयोजित करायी गयी जिसमें छात्र कवि सम्मेलन ने सभी आगन्तुकों का मन मोह लिया। जिसका संचालन मझे हुये कवि के रूप में श्री सुनील चौधरी जी द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के निदेशक, कुलसचिव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे।

समारोह के अन्तिम चरण में विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। कुल 1400 विद्यार्थियों ने इस तीन दिवसीय समारोह में भाग लिया और दयालबाग़ में शिक्षा के शताब्दी वर्ष को अति उत्साहपूर्वक व आनंद पूर्वक बनाया।

• आरंभिक सांस्कृतिक एवं शैक्षिक यात्रा की प्रस्तुति

दयालबाग़ में शिक्षा के 100 वर्षों के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में डी.ई.आई. के कला एवं शिक्षा संकाय में दिनांक 1 से 3 अप्रैल 2016 तक आयोजित विशेष कार्यक्रम प्रशंसित रहे। इस अवधि में कला एवं शिक्षा संकाय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, साथ ही कला संकाय में 'अनुभूति–2016' चित्रकला प्रदर्शिनी के विभिन्न शैलियों पर आधारित चित्र, ग्राफिक्स, म्यूरल्स आदि एवं टेक्सटाइल डिज़ाइनिंग के विद्यार्थियों द्वारा ब्लॉक प्रिंटिंग, बंधेज, टेक्सटाइल प्रिंटिंग के बेहतरीन नमूनों ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे कव्वाली, लघुनाटिका, नृत्य एवं गीत आदि दोनों ही संकायों के द्वारा प्रस्तुत किए गए। शिक्षा संकाय में अध्ययनरत प्रशिक्षु शिक्षकों ने ईको फ्रेंडली घर, स्मार्ट घर, हस्तशिल्प आदि को प्रदर्शित किया गया। दिनांक 1 अप्रैल 2016 को शिक्षा के विकास की यात्रा में वैदिक काल से आधुनिकतम तकनीकी के वर्तमान युग तक की विशेषताओं एवं विकास को रोचक झाँकियों में प्रदर्शित किया गया।

• वाणिज्य शिक्षा के विकास एवं प्रगति पर आयोजित भव्य प्रदर्शनी

संस्थान के वाणिज्य संकाय में शिक्षा के 100वें वर्ष में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें योग अभ्यास, मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण, व्याख्यान एवं निबन्ध लेखन प्रतियोगिता के साथ साथ छात्रों द्वारा तैयार वाणिज्य शिक्षा से सम्बन्धित मॉडलों का प्रदर्शन किया गया।

प्रथम सत्र में छात्रों के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया, इस व्याख्यान में प्रो0 पम्मी दुआ, निदेशक, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स ने ''एकेडेमिक इन्टीग्रिटी एण्ड रिसर्च एथिक्स'' विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान माला की समन्वयक प्रो0 शालिनी दुबे थीं इसके उपरान्त विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित मॉडलों का मूल्यांकन कर्नल एस.डी. सत्संगी, श्रीमती प्रेम सत्संगी एवं डॉ0 अशोक विक्रम सिंह, पूर्व प्राचार्य, आगरा कॉलेज ने किया।

द्वितीय सत्र में निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया, इस प्रतियोगिता का विषय ''आज के समाज में कौशल विकास शिक्षा का महत्त्व'' था। इस प्रतियोगिता का संचालन डॉ0 अनीशा सतसंगी एवं डॉ0 राकेश कुमार ने किया।

दिनांक 14–8–2016 को भी प्रदर्शनी का यथावत् आयोजन किया गया। प्रथम–सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा वीर रस एवं हास्य रस आदि पर मनोहर प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसके उपरान्त दूसरे सत्र में व्याख्यानमाला के अन्तर्गत श्री दयालसरन जी वरिष्ठ आयकर सलाहकार ने अपने ज्ञानपूर्ण विचारों से छात्रों को बड़ी ही सरल भाषा में इन्कमटैक्स आदि के बारे में बताया। तदुपरान्त श्री नागेश पायदा जी पूर्व अध्यक्ष ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स ने वित्तीय क्षेत्र में

छात्रों के लिए रोज़गार अवसरों के बारे में विस्तार से बताया।

द्वितीय सत्र में ही पूर्व छात्रों का सम्मेलन रखा गया था जिसमें दो दशक पुराने छात्रों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया, सभी पूर्व छात्रों ने एक–एक कर अपने जीवन के और डी.ई.आई से जुड़े अपने अनुभवों को छात्रों से साझा किया। इन सभी कार्यक्रमों में संकाय के विद्यार्थियों, शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों का योगदान सराहनीय रहा।

- **विभिन्न सामाजिक एवं मानसिक विषमताओं के निवारण का भव्य समारोह**

समाज विज्ञान संकाय में दिनांक 23 सितम्बर से 25 सितम्बर 2016 को 'दयालबाग़ में शिक्षा के 100 वर्ष' समारोह का आयोजन बड़े ही जोश एवं धूमधाम से किया गया। इन तीन दिनों में संकाय में प्रदर्शनी लगायी गयी, जिसमें चेतना तथा उद्यम से सम्बन्धित मॉडल्स एवं पोस्टर्स का प्रदर्शन किया गया। उद्यमशीलता पर आधारित 'फन–ज़ोन' क्रीड़ा का सृजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों का सहभागिता के साथ मूल्यांकन किया गया। मनोविज्ञान के क्षेत्र में साइकोमेट्रिक परीक्षण के माध्यम से व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया गया। चक्रा हीलिंग के माध्यम से चेतना अनुभव को प्रोत्साहित किया गया। चेतना से सम्बन्धित आनुभविक प्रयोगों का सत्र तीन दिवसों तक 10:30 से 04:00 बजे तक आयोजित किया गया।

इन सभी आयोजनों की शृंखला में 23 सितम्बर को नाट्य समारोह पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। 'आर्ट्स फ्रोम वेस्ट मटेरियल' प्रतिस्पर्द्धा का भी आयोजन किया गया। समाज विज्ञान संकाय के छात्र–छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गयी तथा इसी शृंखला में जल प्रबंधन पर अर्थपूर्ण परिचर्चा भी हुई।

24 सितम्बर को योगक्रिया की कड़ी प्रस्तुत की गयी और इसी के साथ ही साथ मॉडलों तथा पोस्टरों का मूल्यांकन कर निर्णय दिया गया। 'एण्टरप्रिनियूरल माइण्डसेट एण्ड स्टार्ट अप सिनेरियो इन इण्डिया' शीर्षक पर व्याख्यान आमंत्रित किये गये जिसमें डॉ. अनीता शर्मा तथा दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स की निदेशक प्रो. पम्मी दुआ द्वारा इस विषय पर बहुमूल्य व्याख्यान दिया गया। इस अवधि के दौरान दयालबाग़ शिक्षण संस्थान परामर्श समिति के अध्यक्ष परम श्रद्धेय हुज़ूर प्रो. पी. एस. सत्संगी साहब की उपस्थिति से सभी कृतार्थ हुए और इस दिन के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

25 सितम्बर को दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया गया। इस दिन के अन्त में जोश तथा ऊर्जा के साथ पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा सभी छात्र एवं छात्राओं को उनके योगदान हेतु साधुवाद ज्ञापित किया गया।

डी0ई0आई0 टैक्नीकल कॉलेज में भावी इंजीनियरों के लिए 'एजाइल मैन्यूफैक्चरिंग' पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

शिक्षा के 100 वर्ष मना रहे दयालबाग़ शिक्षण संस्थान (डी0 ई0 आई0) में दिनांक 13 मार्च 2016 को प्रातः11:00 बजे से विशेष व्याख्यान का आयोजन टेक्नीकल कॉलेज में किया गया। छात्रों के लिये नियमित पाठ्यक्रम के साथ–साथ व्यावहारिक प्रयोग में आने वाली नवीन तकनीकी जानकारियाँ भी आवश्यक हैं, इसकी जानकारी जे 0सी0बी0 इंडिया लिमिटेड फरीदाबाद से आये गुणवत्ता विभाग के जनरल मैनेजर इंजीनियर राहुल मिश्रा ने डी0 ई0 आई0 के टेक्नीकल कॉलेज में सम्पन्न हुये विशिष्ट व्याख्यान में दी। डॉ0 बी0बी0 राव प्रधानाचार्य, टेक्नीकल कॉलेज, कार्यक्रम सचिव डॉ0 एल0एन0 कोली व मैकेनिकल विभाग, अध्यक्ष श्री जी0 पी0 मिश्रा, डॉ0 पुरुषोत्तम कुमार, डॉ0 नवीन देव व डॉ0 रंजीत कुमार का कार्यक्रम के आयोजन में विशेष सहयोग रहा। श्री भुवनेश सिंहल ने कार्यक्रम संयोजित किया।

मैं आपको यह बता दूँ कि दयालबाग़ से सुन्दर, स्वच्छ, मधुर वातावरण विद्यार्थियों के लिये, उनकी उन्नति के लिये, उनके प्रशिक्षण के लिये कहीं बाहर आसानी से नहीं मिलेगा। तो इस सुन्दर अवसर का जो आपको मौका मिला है, उससे पूरा लाभ उठाइये।

Param Guru Huzur Dr. M.B. Lal Sahab

योग दिवस

21 जून 2016 को दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ प्रार्थना से किया गया। संगीता सिन्हा ने योगासनों पर प्रस्तुति दी। डॉ. 'गोपी ने योग का स्वास्थ्य पर प्रभाव' विषय पर विचार अभिव्यक्त किए। डॉ.पी. श्रीराम मूर्ति ने योग के आध्यात्मिक लाभ बताए। डॉ. भोजवानी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे उन्होंने योग के महत्त्व पर प्रकाश डाला। आयोजक एन.एस.एस. समन्वयक डॉ. स्वामी प्रसाद सिन्हा थे। इस अवसर पर निदेशक प्रो. प्रेम कुमार कालड़ा, कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ. सुमन शर्मा एवं डॉ. निशीथ गौड़ ने किया।

हिन्दी नाट्य महोत्सव 2016

विद्यार्थियों के भीतर रंगमंचीय कौशल एवं रचनात्मकता का विकास करने के उद्देश्य से डी.ई. आई. के हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 21–23 अक्टूबर 2016 तक दीक्षान्त सभागार में हिन्दी नाट्य महोत्सव आयोजित किया गया। इस महोत्सव के अन्तर्गत अन्तरसंस्थानीय हिन्दी नाटक प्रतियोगिता का आयोजन दो वर्गों में किया गया। पहले वर्ग में विद्यालय स्तर पर डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय गर्ल्स इण्टरमीडिएट कॉलेज, प्रिल्यूड पब्लिक स्कूल, डॉ. एम.पी.एस. वर्ल्ड स्कूल, जी. डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, सेंट क्लेयर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेंट पीटर्स कॉलेज, सी.बी.एस. पब्लिक स्कूल, आगरा पब्लिक स्कूल, होली पब्लिक स्कूल, सिपकिन्स स्कूल, सुमित राहुल मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, तथा सेंट कॉनरेड इंटर कॉलेज ने भाग लिया।

महाविद्यालय स्तर पर आनंद इंजीनियरिंग कॉलेज, हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, राजा बलवन्त सिंह कॉलेज, आर.बी.एस. कॉलेज ऑफ मैनेजमेण्ट एण्ड टेक्नोलॉजी, सेठ पद्मचंद जैन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेण्ट, एवं डी.ई.आई के चार संकायों (शिक्षा संकाय, समाज विज्ञान संकाय, अभियान्त्रिकी संकाय, महिला पॉलीटेक्नीक) ने नाट्य प्रस्तुतियां दीं, प्रतियोगिता के निर्णायकों में आगरा के प्रसिद्ध रंगकर्मी श्री डिम्पी मिश्रा, श्री उमेश अमल, व डॉ. ज्योत्स्ना रघुवंशी शामिल थे । पुरस्कार वितरण डी. ई. आई. के कुलसचिव प्रो. आनंद मोहन तथा कला संकाय प्रमुख प्रो. रागिनी राय ने किया। विद्यालय स्तर पर प्रथम पुरस्कार जी.डी.गोयनका पब्लिक स्कूल की टीम को उनकी नाट्य प्रस्तुति 'बूढ़ी काकी' के लिए मिला तथा महाविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान राजा बलवन्त सिंह कॉलेज के नाटक 'गांधारी का शाप' को प्राप्त हुआ। तीनों श्रेणियों में पुरस्कारों के अतिरिक्त व्यक्तिगत स्तर पर भी प्रतियोगियों को विभिन्न वर्गों में पुरस्कृत किया गया, जैसे सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ सहअभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ सूत्रधार, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ पटकथा, सर्वश्रेष्ठ मंच सज्जा, सर्वश्रेष्ठ दृश्य–श्रव्य संयोजन आदि।

हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. शर्मिला सक्सेना ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. स्वामीप्यारी कौड़ा ने महोत्सव के उद्देश्य पर प्रकाश डाला तथा निर्णायकों का परिचय दिया। निदेशक प्रो. प्रेमकुमार कालड़ा एवं कुल सचिव प्रो. आनंद मोहन ने महोत्सव में उपस्थित रहकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन किया।

इंग्लिश ड्रामा फेस्टिवल 2016

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग़ आगरा, कला संकाय, अंग्रेजी विभाग द्वारा इंग्लिश ड्रामा फेस्टिवल का आयोजन किया गया। 11 नवम्बर 2016 से 13 नवम्बर 2016 तक चलने वाले ड्रामा फेस्टिवल का प्रारम्भ प्रार्थना से हुआ। प्रथम दिन डी0 ई0 आई0 प्रेम विद्यालय गर्ल्स इण्टर कॉलेज, द्वारा विलियम शेक्सपियर का नाटक –'टेमिंग ऑफ द श्रियू' किया गया। सेण्ट जॉन्स कॉलेज, आगरा द्वारा जीवन पर आधारित पारिवारिक ड्रामा 'ऑगस्ट स्ट्रिंगबर्ग' का नाटक 'फेसिंग डेथ' किया गया। सेण्ट क्लेयर्स सीनियर

सेकेण्डरी स्कूल, आगरा द्वारा डब्ल्यू. एस. हॉगटन का 'द डियर डिपार्टिड' नाटक अभिनीत किया गया। शिक्षा संकाय, डी0 ई0 आई0 द्वारा एन्टॉन चेखॅव की हास्य नाटिका 'द प्रपोजल' मानवीय स्वभाव पर आधारित थी। ड्रामा फेस्टिवल के दूसरे दिन जी0 डी0 गोयन्का पब्लिक स्कूल, आगरा द्वारा ओ. हेनरी का नाटक 'द गिफ्ट ऑफ द मेगी' किया गया। विज्ञान संकाय, डी0 ई0 आई0, आगरा द्वारा महेश दत्तानी का नाटक 'डांस लाइक द मैन' नाटक अभिनीत किया गया। जिसने दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। वाणिज्य संकाय, डी0ई0आई0, आगरा द्वारा डब्ल्यू. डब्ल्यू. जेकब्स का 'द मंकीज़ पाव' नाटक अभिनीत किया गया जो कि एक लघु कथा पर आधारित था। अभियांत्रिकी संकाय, डी0ई0आई0, आगरा द्वारा महेश दत्तानी का नाटक सेवन स्टेप्स अराउंड द फायर अभिनीत किया गया किन्नरों के जीवन पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो0 पी0 के0 कालड़ा, कुलसचिव प्रो0 आनन्द मोहन, मोहन, प्रो0 जे0 के0 वर्मा, प्रो0 गुरप्यारी जिन्डयाल एवं अंग्रेजी विभाग के सभी शिक्षकगण मौजूद थे।

युवा संसद (14 सितम्बर 2016)

दयालबाग़ विश्वविद्यालय के अन्तर्राष्ट्रीय सभागार में 14 सितम्बर 2016 को प्रातः 10.00 बजे विराजमान थी युवा संसद, जिसमें मंत्रिमण्डल के साथ–साथ मौजूद था विपक्ष।

प्रश्नकाल में विपक्ष द्वारा आन्तरिक सुरक्षा, खेल एवं पानी की समस्या पर कनिष्का कोहली, सलोनी, महिमा सत्संगी ने सरकार पर प्रहार करते हुये सवाल पूछे, तो उनका जवाब दिया अनुभा सिंह, योगी चौधरी और अभिन्न दयाल सक्सेना ने। बिल पेश किया मानव संसाधन विकास मंत्री अंबिका रेड्डी ने, जिसमें 'कॉमन स्कूल सिस्टम' विधेयक भी रखा गया। गंभीर मुद्दों पर चर्चा के दौरान कभी–कभी विपक्ष की ओर से सरकार पर कटाक्ष भी किये गये।

युवा संसद की अध्यक्षता ऋमांशी मुकुन्द ने की। निर्णायक मण्डल में थे – सांसद माननीय बाबूलाल जी, आई0 आई0 टी0 दिल्ली से पधारे प्रो0 कुशल सेन एवं डी0 ए0 वी0 कॉलेज जालंधर से डॉ0 दिनेश अरोरा।

अपने उद्बोधन में माननीय सांसद माननीय बाबूलाल जी, ने युवा सांसदों को हृदय से बधाई दी और संसद में युवा मंत्रियों द्वारा संतोषजनक जवाबों एवं विपक्ष द्वारा उठाये गये ज्वलन्त मुद्दों की सराहना की।

आई.आई.टी.दिल्ली से पधारे कुशल सेन एवं डी0ए0वी0 कॉलेज जालंधर से डॉ दिनेश अरोरा जी ने इस संसद की भूरि–भूरि प्रशंसा की। निर्णायक मण्डल को संस्थान के निदेशक प्रो0 पी0 के0 कालड़ा द्वारा मोमेंटो प्रदान किया गया और संस्थान में उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिये धन्यवाद दिया। डॉ0 गुर प्यारी जिन्डयाल ने प्रतियोगिता के नियम बताये एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ0 निशीथ गौड़ ने किया।

इस अवसर पर संस्थान कुलसचिव डॉ0 आनन्द मोहन, कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी, श्री एस0के0नैय्यर, प्रो0 जे0के0वर्मा, प्रो0 एस0के0 चौहान आदि उपस्थित थे।

आयोजक मण्डल में डॉ0 नन्दिता सत्संगी के साथ–उनकी समस्त युवा संसद टीम का योगदान प्रशंसनीय था। निर्णायक मण्डल ने बेस्ट परफॉमेंन्स में छः विद्यार्थियों को चुना–ऋमांशी मुकुन्द–स्पीकर, अंतरा प्रकाश–विपक्ष, उदित तिवारी–प्रधानमंत्री अम्बिका रेड्डी – मानव संसाधन मंत्री, निवेदिता वशिष्ठ–विपक्ष, अनुष्का श्रीवास्तव–विपक्ष।

संकाय समाचार

कला संकाय

डॉ.दयाल प्यारी सिन्हा ने गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर में दिनांक 14 जून 2016 से 4 जुलाई 2016 तक आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रो. कमलेश कुमारी रवि, डॉ.सुमन शर्मा, डॉ.दयाल प्यारी सिन्हा, ने आगरा यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित कार्यशाला 'हिन्दी का राष्ट्रीय संदर्भ' में 25 मई से 1 अप्रैल तक सहभागिता की।

डॉ.सुमन शर्मा का शोध पत्र 'सतसई साहित्य में

रितु वर्णन' डॉ. शिखा श्रीधर की 'स्त्री जीवन भारत और मॉरीशस के संदर्भ' पुस्तक में प्रकाशित हुआ। आई.एस. बी.एन 978–93–81610–73–2 पृष्ठ संख्या– 139–145.

प्रो. कमलेश कुमारी रवि को दलित साहित्य में उनके सक्रिय योगदान के लिए सावित्री बाई फूले पुरस्कार से दिनांक 11–12 दिसम्बर 2016 में भारतीय दलित साहित्य अकादमी द्वारा सम्मानित किया गया।

डॉ. सूरज बड़त्या के कहानी संग्रह 'कामरेड का बक्सा' की दो चर्चित कहानियों 'कामरेड का बक्सा' और कबीरन को अहमदाबाद विश्वविद्यालय के बी.ए. पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया प्रस्तुत संग्रह गुजराती एवं पंजाबी में अनुदित हो चुका है एवं उनकी कविताओं को सी.बी.एस.सी. के 12वीं के 2016 के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया।

5–6 मार्च 2016 को संस्कृत विभाग द्वारा द्विदिवसीय विशिष्ट व्याख्यानमाला सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ से प्रो. इच्छाराम द्विवेदी ने 'संस्कृत साहित्य में चेतना विज्ञान' विषय पर व्याख्यान दिया।

अवध विश्वविद्यालय से प्रो. ज्वलन्त कुमार शास्त्री ने 'सर्वशास्त्रों की वेदमूलकता' विषय पर, आर. बी. एस. कॉलेज से डॉ. एच. के. उपाध्याय ने रस मीमांसा विषय पर, दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. पतंजलि कुमार भाटिया ने आत्मनेपद, परस्मैपद, लिंग ज्ञान एवं अनुवाद प्रक्रिया' पर, अलीगढ़ विश्वविद्यालय से प्रो. एस. पी. शर्मा ने 'संस्कृत भाषा का वैज्ञानिक स्वरूप' विषय पर व्याख्यान दिया अध्यक्षता प्रो. पी. श्रीराम मूर्ति ने की। संयोजक डॉ. निशीथ गौड़ और डॉ. अभिमन्यु रहे। सदस्य सचिव प्रो. एल. एन. कोली एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. उर्मिला आनन्द के निर्देशन में कार्यशाला सम्पन्न हुई। संस्कृत व्याख्यान वल्लरी के अन्तर्गत 12 नवम्बर 2016 को वक्रोक्ति एवं रसनिष्पत्ति विषय पर प्रो. अमिता शर्मा एवं प्रो. भागीरथी नंद, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अगम कुलश्रेष्ठ एवं संयोजक डॉ. निशीथ गौड़ रहीं।

संस्कृत विभाग द्वारा वार्षिकी शोध पत्रिका शोध प्रतिभा का प्रकाशन 2016 में हुआ।

वाणिज्य संकाय

डॉ. अनीशा सत्संगी का शोध पत्र शीर्षकः– 'कॉर्पोरेट गवर्नेंस : इट्स मॉडल्स एप्लिकेबिलिटी इन कॉरपोरेट वर्ल्ड' नेशनल जर्नल ऑफ कॉमर्स एण्ड मैनेजमेण्ट–शोधायतन जून 2016 वॉल्यूम–7 इश्यू–5 में प्रकाशित हुआ।

विज्ञान संकाय

डॉ. राजीव रंजन ने वनस्पति शास्त्र विभाग एक साप्ताहिक के प्रायोगिक एच.पी.एल.सी. ट्रेनिंग कार्यक्रम में राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, एस.ए.एस. नगर (मोहाली), पंजाब 19 से 23 सितम्बर 2016 में भाग लिया।

डॉ. राजीव रंजन ने चार सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम जीवविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में 3 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2016, एच.आर.डी.सी., जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में भाग लिया।

डॉ. दयालप्यारी श्रीवास्तव, भौतिक एवं कम्प्यूटर विज्ञान विभाग को एस.एस.आई. वार्ष्णेय एवार्ड से 40 वाँ नेशनल सिस्टम कान्फ्रेंस, एन. आई. टी. वारांगल 4–6 नवम्बर 2016 को सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर सुखदेव रॉय, भौतिकी एवं कम्प्यूटर विभाग को प्रख्यात एस.एस.आई. नेशनल सिस्टम गोल्ड मेडल.4 से एन. आई. टी., वारांगल 4–6 नवम्बर 2016 को नवाज़ा गया।

डॉ. अकबर अली पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, डी.एस.टी. वनस्पति शास्त्र ने नेशनल कान्फ्रेंस ऑफ प्लांट फिज़ियोलॉजी, यू.ए.एस. जी के वी के कैम्पस, बैंगलोर, कर्नाटका, 8 से 10 दिसम्बर 2016 तक भाग लिया।

छात्र समाचार–मृणालिनी प्रसाद, पी–एच.डी. छात्र वनस्पति विभाग ने एक सप्ताह एच.पी.एल.सी. प्रायोगिक ट्रेनिंग एन आई पी ई आर, मोहाली 19 सितम्बर से 23 सितम्बर भाग लिया।मिस वैशाली, प्रिया अग्नीहोत्री, पूनम शर्मा एम.एस.सी, जंतुविज्ञान, आई.एन.एम.ए.एस., डी.आर.डी.ओ., भारत सरकार, नई दिल्ली ने भ्रमण किया। आरती यादव ने 7 से 11 दिसम्बर, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला में आयोजित 'इण्डिया इण्टरनेशनल साइंस फेस्टिवल' नई दिल्ली में कनिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में भाग लिया।

समाजशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग

डॉ. बीरपाल सिंह ठैनुआं का शोध पत्र "ए

सोशियोलोजीकल स्टडी ऑफ केयरिंग ऑफ एज्ड विद इन फेमिलीः विद स्पेशल रेफरंस टू ए स्लम ऑफ आगरा सिटी" रिमाकिंग एन इंटरनेशनल रिसर्च जरनल, कानपुर आई.एस.एस.एन. 2394–0344 ई आई.एस.बी. एन 2455–0817, वॉल्यूम–3 इश्यू–1, जून 2016 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. लजवन्त सिंह ने दिनांक 6 जून से 16 जून 2016 तक मेरठ कालेज मेरठ के विधि विभाग द्वारा आयोजित दस दिवसीय कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी की।

शिक्षा संकाय

दिनांक 4,5,8,11,एवं 18 अप्रैल 2016 को पी.प्रवीन (मल्टीमीडिया सेण्टर डी.ई.आई.) ने डी.ई.आई. से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों राजाबरारी, टिमरनी, रुड़की, चंडीगढ़, लुधियाना, दौधार, धारीवाल, दिल्ली के लिए 'कान्सेप्ट ऑफ यूजेज़ ऑफ डिजिटल टैबलेट्स (विद् माडर्न सॉफ्टवेयर) फॉर टीचर्स ऑफ स्कूल्स विषय पर अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा संकाय में किया गया।

सत्र 2016–17 से तिमरनी, मध्यप्रदेश में डी. ई. आई. सूचना केन्द्र में द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम सिनक्रोनस माध्यम से प्रारम्भ किया गया जिसमें 20 छात्राओं ने प्रवेश किया।

डी. ई. आई. प्रतिनिधि प्रो. अजय सक्सेना एवं डॉ. सोना आहूजा ने दिनांक, 4–5 अगस्त महाराष्ट्र के हरिसाल ग्राम के स्थानीय लोगों के कौशल के संदर्भ में भ्रमण किया। इस भ्रमण का आयोजन महाराष्ट्र सरकार एवं माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी द्वारा किया गया, डी.ई.आई. इसकी सहयोगी टीम है।

डॉ. क्षमा पाण्डेय की सम्पादित संदर्भ पुस्तक 'हैंडबुक ऑफ रिसर्च ऑन प्रमोटिंग ग्लोबल पीस एण्ड सिविक इंगेजमेण्ट एजुकेशन' आई.जी.आई. ग्लोबल पब्लिकेशन, यू.एस. ए. से प्रकाशित हुई। जिसका आई. एस.बी.एन.9781522500780 है।

प्रो. रंजीत सत्संगी, प्रो. सविता श्रीवास्तव, डॉ. सोना आहूजा, आदि के शोध पत्र क्रमशः 'डेवलपमेण्ट ऑफ एक्टीविटी– बेस्ड लर्निंग प्रोग्राम ऑफ स्पिरीचुअल कॉन्शसनेस एण्ड हैपीनेस ऑफ सेकेण्डरी स्कूल चिल्ड्रन', 'हारनेसिंग पीस एण्ड साइंस विद क्वर एन इन प्रेजेंट इरा', मिस्टिकल एक्सपीरिएन्सेस : डुअलिस्टिक वर्सेस नॉन डुअलिस्टिक' शोध पत्र टी.एस.टी. 2016 को टेक्सान, एरीजोना यू.एस.ए में प्रस्तुत किए गए।

प्रो. प्रवीन देवगन का शोधपत्र विषय 'ए स्टडी ऑफ साइबर क्राइम': अवेयरनेस अमंग अण्डरग्रेजुएट स्टूडेन्ट्स इण्टरनेट यूजर्स' कॉसमॉस जर्नल ऑफ एजुकेशन वाल्यूम–3 पृष्ठ सं.–89–97 अगस्त 2016 में प्रकाशित हुआ।

प्रो. प्रवीन देवगन का शोधपत्र विषय 'ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ एटीट्यूड टूवर्डस् रिसर्च अमंग रिसर्च स्कॉलर्स ऑफ डिफरेन्ट स्ट्रीम्स 'नामक शोधपत्र जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइक्लॉजिकल रिसर्च, वाल्यूम–6 पृष्ठ सं.–6–12 अक्टूबर 2016 में प्रकाशित हुआ।

प्रो. प्रवीन देवगन का शोधपत्र विषय 'किशोरों की आधुनिकीकरण की अभिवृत्ति एवं सामाजिक अनुवर्तिता का अध्ययन 'परिप्रेक्ष्य न्यूपा वर्ष–22, पृष्ठ सं.–57–76 दिसम्बर 2016 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. नेहा शिवहरे ने शोध पत्र 'हैपीनेस कॉन्शसनेस एण्ड न्यूरोप्लास्टीसिटी' को इण्डो कैनेडियन रिसर्च कोलोकियम में 21 अप्रैल 2016 को प्रस्तुत किया।

डॉ.कल्पना गुप्ता ने योगा स्पोर्ट्स डवलपमेन्ट एसोशिएसन द्वारा आयोजित योगा चैम्पियनशिप में अलीगढ़ में 23–24 जुलाई 2016 को आगरा जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्णपदक जीता।

डॉ.क्षमा पाण्डेय ने एन.सी.ई.आर.टी.द्वारा आयोजित कार्यशाला आइटम राइटिंग फॉर एन.ए.एस. क्लास–2 में दिनांक 19.23 दिसम्बर तक संदर्भ व्यक्ति के रूप में एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली में सहभागिता की।

प्रो. के.सी वशिष्ठ एवं क्षमा पाण्डेय ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला जिसका विषय ''अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्रों के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए मुख्य संदर्भ व्यक्ति के लिए प्रशिक्षण सामग्री का विकास'' पर विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग केन्द्र नई दिल्ली में संदर्भ व्यक्ति के रूप में सहभागिता की ।

डी.ई.आई. के एजुकेशन फैकल्टी में सितम्बर 2016 को शोधार्थियों के बीच शोध संबंधित नए आयाम विषय पर स्पार्क(सिस्टेमेटिक प्रोडक्टिव एनालिटिकल रिसर्च क्लाइडोस्कोप) का आयोजन हुआ । इसमें शोध

के नए– नए क्षेत्रों और आयामों पर विचार विमर्श हुआ। शोधार्थी ललितेश तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति –2016 एवं अब्दुल समीर खान ने एन.एम.सी. होराइजन रिपोर्ट 2016 हायर एजुकेशन पर अपने विचार व्यक्त किए। संकाय प्रमुख प्रो. के.सी. वशिष्ठ, प्रो. विभा निगम, प्रो. एन.पी.एस. चंदेल, प्रो. इंदिरा शर्मा ने शोध संबंधित अनुभवों को शोधार्थियों के साथ बाँटा। संचालन दयाल संधु और संयोजिका नेहा शिवहरे ने किया।

एम.एड की छात्रा मुग्धा शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित नेशनल क्रिएटिविटी एप्टीट्यूट टैस्ट परीक्षा 2016 प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की साथ ही क्रिएटिविटी वर्कशॉप दिल्ली में प्रतिभागिता की एवं 25000/– नगद राशि प्राप्त की। निम्न परीक्षण पल्लवी दुबे तथा नेहा जैन के मार्गदर्शन में हुआ।

टेक्नीकल कॉलेज

डॉ. नवीन के.देव, रविशंकर, एवं आलोक चौधरी का शोध आलेख 'स्ट्रैटिजिक डिज़ाइन फॉर इन्वेन्टरी एण्ड प्रोडक्शन प्लानिंग इन क्लोज़्ड लूप हायब्रिड सिस्टम्स' एल्सवेयर प्रकाशन द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय जरनल–'इण्टरनेशनल जरनल ऑफ प्रोडक्शन इकोनॉमिक्स' –डी.ओ.आई.10.1016/जे.आई.जे.पी.ई. 2016.06.017 में प्रकाशित हुआ।

प्रेमविद्यालय

21 नवम्बर 2016 को प्रेम विद्यालय का वार्षिकोत्सव पूज्य हुज़ूर प्रो0 पी0 एस0 सत्संगी साहब की भव्य उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं निदेशक महोदय ने पुरस्कार वितरण कर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। 21 नवम्बर 2016 को ही माननीया माला बल ने प्रधानाचार्या का पद ग्रहण किया।

30 नवम्बर 2016 को बाल दिवस के उपलक्ष्य में मेले का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन विद्यालय की काउन्सलिंग कमेटी प्रमुख श्रीमती प्रेमप्यारी दयाल द्वारा किया गया। मेले में छात्राओं ने विज्ञान एवं तर्क पर आधारित मनोरंजक खेलों के साथ विविध व्यंजनों का लुत्फ उठाया। श्रेष्ठ स्वादिष्ट व्यंजन, स्वच्छता एवं सज्जा के आधार पर सर्वश्रेष्ठ स्टॉल को पुरस्कृत भी किया गया।

16 नवम्बर 2016 कक्षा–सात की छात्रा गुरु प्रसन्ना ने जिलास्तरीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता (वॉयस ऑफ इण्डिया) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 19 से 24 दिसम्बर 2016 डी0 ई0 आई0 द्वारा आयोजित 'शीतकालीन शिविर' में विद्यालय की कक्षा छह से बारह की लगभग 450 छात्राओं ने विज्ञान, कला, गणित, संगीत, पाककला, सज्जा एवं खेल–कूद की विविध गतिविधियो में रुचि अनुसार क्रियाकलाप चयन कर बहुआयामी कौशलों का विकास किया।

20 जनवरी 2017 विद्यालय में कक्षा छह से बारह तक की छात्राओं के लिए विज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक	:	प्रो. पी.के. कालड़ा
परामर्शक	:	प्रो. आदित्य प्रचण्डिया
सम्पादक	:	डॉ. नमस्या
सहायक सम्पादक	:	डॉ. सूरज प्रकाश डॉ. निशीथ गौड़
सम्पादन सहयोग	:	डॉ. कविता रायजादा श्री अमित जौहरी
समाचार संयोजक	:	डॉ. अशोक यादव डॉ. अभिमन्यु डॉ. अनीशा सत्संगी डॉ. राजीव रंजन डॉ. वीरपाल सिंह ठेनुआ डॉ. क्षमा पाण्डेय डॉ. मयंक कुमार अग्रवाल सुश्री प्रेम प्यारी